Krishi Kumbh
Online E-Magazine
Www.KrishiKumbh.Com

कृषि कुंभ

E-ISSN: 2582-9769

कृषि कुंभ
हिंदी मासिक पत्रिका

खण्ड 04 भाग 03, (अगस्त, 2024)
पृष्ठ संख्या 37–39

धान की नर्सरी की तैयारी एंव देखभाल

मो0 मुईद[1], डॉ0 मुवीन[2], नदीम खान[1] एवं पीयूष यादव[1]

[1]शोध छात्र सस्य विज्ञान,
इंटीग्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंस एंड टेक्नोलॉजीए
इंटीग्रल यूनिवर्सिटीए लखनऊ।
मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय, रामपुर, भारत।

Email Id: mmued@iul.ac.in

अधिक उपज प्राप्त करने के लिए स्वस्थ एवं निरोगी पौध तैयार करना अत्यन्त आवयक है। साथ ही साथ यदि अनुकूलतम आयु की पौध की रोपाई की जाये तो धान की फसल से भरपूर पैदावार मिल सकती है। साधारणतया संकर धान की नर्सरी 21 दिनों तथा अन्य प्रजातियों की नर्सरी 25 दिनों में तैयार हो जाती है तथा तैयार नर्सरी की रोपाई यदि एक सप्ताह के अन्दर हो जाये तो पौधों में कल्लों की संख्या अधिक निकलती हैं। जो पैदावार बढाने में सहायक है।

खेत का चुनाव

धान की पौध ऐसे खेत में डालना चाहिए जोकि सिचाई के स्रोत के पास हो। धान की खेती के लिए पानी रोकने की क्षमता रखने वाली चिकनी या मटियार मिट्टी वाले क्षेत्र अधिक उपयुक्त रहते हैं। पर्याप्त सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होने पर धान हल्की भूमि में भी सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है।

नर्सरी के लिए खेत की तैयारी

मई जून में प्रथम वर्शा के बाद नर्सरी के लिए चुने हुए खेत में पाटा चलाकर जमीन को समतल कर लेना चाहिए। पौध तैयार करने के लिए खेत में दो–तीन सेमी0 पानी भर कर दो तीन बार जुताई करें। ताकि मिट्टी लेह युक्त हो जाए तथा खरपतवार नश्ट हो जाए। आखिरी जुताई के बाद पाटा लगाकर खेत को समतल करें। ताकि खेत में अच्छी तरह लेह बन जाए, जोकि

पौध की रोपाई के लिए उखाड़ने में मदद मिले तथा जड़ों का नुकसान कम हो।

नर्सरी के लिए खाद एवं उर्वरक–

पौध तैयारकरने के लिए 1.25 मीटर चौड़ी व 8 मीटर लम्बी क्यारियां बना लें तथा प्रति क्यारी (10 वर्गमीटर) 225 ग्राम यूरिया, 500 ग्राम सिंगल सुपरफास्फेट तथा 50 ग्राम जिंक सल्फेट मिलायें। यह ध्यान रहे कि नर्सरी (पौध) जितनी स्वस्थ होगी उतनी अच्छी उपज मिलेगी।

धान की प्रजातियाँ

क्षेत्र विशेष की जलवायु के अनुसार धान की किस्मों का चयनकरें।

जल्दी या शोघ्र पकने वाली	मध्यम या देर पकने वाली	सुगन्धित किस्में	संकर किस्मे
नरेन्द्र–9, रत्ना, गोबिन्द, नरेन्द्र–8, पन्त धान 12, साकेत–4, कावेरी,पूसा 1509	स्वर्णा, पन्त–10, सरजु–52, नरेन्द्र 359	पूसा बासमती –1, हरियाणा बासमती –1, टा0–3,पूसा 1121	नरेन्द्रसंकर धान–1 व पन्तसंकर धान–1,

बुवाई का समय

जून माह के प्रथम सप्ताह से अन्तिम सप्ताह तक बीज की बुवाई करें जबकि सुगन्धित प्रजातियों की नर्सरी

जून के तीसरे सप्ताह में डालें।

बीज की मात्रा

एक एकड़ क्षेत्रफल की रोपाई के लिए धान की महीन चावल वाली किस्मों का 12–13 किलोग्राम, मध्य दाने वाली किस्मों का 16–17 किलो ग्राम और मोटे दाने वाली किस्मों का

20 से 21 किलो ग्राम बीज की पौध तैयार करने की आवश्यकता होती है। जबकि संकर प्रजातियों के लिए प्रति

एकड़ 7–8 किलोग्राम बीज की आवश्यकता होती है।

बीजोपचार

सर्व प्रथम बीज को 12 घण्टे तक पानी में भिगोयें तथा पौधशाला में बुवाई से पूर्व बीज को कार्बेन्डाजिम या एग्रोसान या थीरम की 2 ग्राम मात्रा प्रतिकिलो बीज की दर से उपचारित करें और उसके बाद बीज कों समतल छाया दार स्थान पर फैला दें तथा भीगे जूट की बोरियों से ढक दें। बोरियों के ऊपर पानी का छिड़काव करें जिससे नमी बनी रहे। 24 घण्टे के बाद बीज अंकुरित हो जाएगा फिर अंकुरित बीज को समान रुप से बोदें। ध्यान रखे कि बीज की बोवाई भाम को करें ताकि यदि तापमान अधिक हो तो अंकुरण नष्ट न होने पाये।

नर्सरी की देखरेख–

अंकुरित बीज की बुवाई के दो–तीन दिनों के बाद पौधशाला में सिचाई करें। कीटों के नियन्त्रण के लिए 10 से 15 दिनों के भीतर कार्बोफूरान 3 जी 150 ग्राम प्रति 100 वर्गमीटर की दर से डाले। बुवाई 10–14 दिन के बाद एक सुरक्षात्मक छिड़काव खैरा रोंग तथा सफेद रोग के लिए अवश्यक करें। खैरारोंग के नियन्त्रण के लिए दो किलोग्राम जिंकसल्फेट का 2 प्रतिशत यूरिया या 1 किलोग्राम बुझे हुए चूने के साथ 450 लीटर पानी में घोल बनाकर नर्सरी में छिड़काव करें।

सावधानियां–

1. बीज को अंकुरित कर के बोयें।
2. सुगन्धित प्रजातियो की नर्सरी जून के तीसरे सप्ताह में डालें।
3. फफूंदीना नाशक दवा थीरम 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज या एग्रोसान जी0एन0 2 ग्राम प्रतिकिलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें।
4. खरपतवार नियन्त्रण हेतु प्रिटाक्लोर 500–600 मिली0 प्रति एकड़ की दर से 250–300 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
5. कई बार नर्सरी में हापर, स्टेमबोरर कीटों का प्रकोप हो जाता है ऐसी स्थिति में क्लोरीपायरीफास 20 ई0सी0 600–650 मिलीप्रति एकड़ की दर से 240–250 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
6. नर्सरी तैयार होने के 5–6 दिन के भीतर रोपाई आवश्यक करदें और स्वस्थ निरोगी पौधो से अपने खेतों में भरपूर पैदावार की आधारशिला रखें।